C M Y K

www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 94 नागपुर, मंगलवार, 28 फरवरी 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

नासा अगले साल सूर्य पर भेजेगा अंतरिक्षयान !

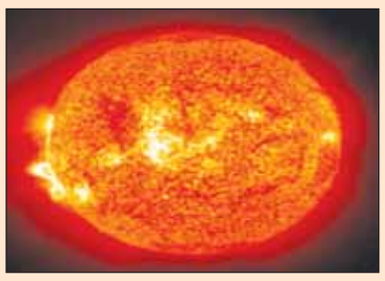

वॉशिंगटन

नासा अगले साल सूर्य पर अपना पहला रोबोटिक अंतरिक्षयान भेजने की योजना बना रहा है। सूर्य के वातावरण की जांच करने के लिए इस अंतरिक्ष यान को इसमें 60 लाख किलोमीटर तक भेजे जाने की योजना है। इंसान चांद, मंगल और यहां तक कि सुदूर अंतरिक्ष में भी अंतरिक्षयान भेज चुका है। अब नासा की योजना सूर्य पर सोलर प्रोब प्लस मिशन भेजने की है। सूर्य पृथ्वी से लगभग 14.90 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर है।

गोड्डार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में नासा के अनुसंधान वैज्ञानिक एरिक क्रिश्चियन ने कहा, यह सूर्य के लिए भेजा जाने वाला हमारा पहला मिशन होगा। क्रिश्चियन ने कहा, हम सूर्य की सतह पर नहीं पहुंच सकते लेकिन यह मिशन उसके इतना करीब तो पहुंच ही जाएगा कि तीन अहम सवालों के जवाब दे सके। यह मिशन संभवत: इस बात का जवाब दे पाएगा कि सूर्य की सतह उसके वातावरण जितनी गर्म क्यों नहीं है।

नासा के अनुसार, सूर्य की सतह का ताप महज 5500 डिग्री सेल्सियस है जबकि उसके वातावरण का ताप 20 लाख डिग्री सेल्सियस है। लाइव साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिक यह भी जानना चाहते हैं कि सौर हवाओं को उनकी गति कैसे मिलती है। इस मिशन से यह भी पता चल सकता है कि सूर्य कई बार इतनी अधिक उर्जा के कण क्यों उत्सर्जित करता है, जो असुरक्षित अंतरिक्षयात्रियों एवं अंतरिक्षयानों के लिए खतरा पैदा करते हैं।

विकास स्वरूप की जगह गोपाल बागले बने विदेश मंत्रालय के नए प्रवक्ता

नई दिल्ली

विकास स्वरूप को कनाडा का उच्चायुक्त नियुक्त करने के बाद विदेश मंत्रालय ने उनकी जगह गोपाल बागले को प्रवक्ता को नया प्रवक्ता बनाया है। 1992 बैच के आईएफएस ऑफिसर बागले पाकिस्तान-अफगानिस्तान और ईरान मामले से जुड़े विभाग को देख रहे थे। बागले इससे पहले काठमांडू के दूतावास में मीडिया सलाहकार के तौर प्रेस को संभाल चुके हैं। साथ ही, विदेश मंत्रालय के विदेश प्रकाशन विभाग में निदेशक के पद पर भी काम किया है। बागले पाकिस्तान में उप-उच्चायुक्त की जिम्मेदारी भी संभाली है। वह कीव में स्थित भारतीय दूतावास में साल 1996 से लेकर 1999 तक जबकि मॉस्को में 1999 से लेकर 2002 तक सचिव के पद पर रह चुके हैं। बागले लंदन में स्पेशल असिस्टेंट कमिश्नर भी रहे हैं जबकि साल 2002 से 2005 के बीच सचिव(आर्थिक) के तौर भी काम किया है। वे विदेश विभाग में उप-सचिव(मध्य यूरोप) और उप सचिव और निदेशक (यूनाईटेड नेशंस-इकोनॉमिक एंड सोशल) में साल 2005 से 2008 तक रहे हैं। जबकि, स्वरूप 1986 बैच के आईएसएस ऑफिसर है जिन्होंने बेहद लोकप्रिय किताब क्यू एंड ए लिखी है जिस पर आधारित फिल्म स्लमडॉग मिलिनायर को ऑस्कर अवॉर्ड मिल चुका है।

यूपी चुनाव के पांचवे चरण में 57.36 फीसदी मतदान

लखनऊ

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावों के पांचवें चरण में सोमवार को नेपाल से लगे तराई और पूर्वी उत्तरप्रदेश के 11 जिलों की 51 सीटों पर वोट डाले गए। चुनाव आयोग द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस चरण में कुल 57.4 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पूरे आंकड़े आना बाकी थे अत: मतदान का प्रतिशत बढ़ भी सकता है। साल 2012 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत 57.1 रहा था।

मतदान का यह दौर समाजवादी पार्टी और बीजेपी दोनों के लिए बहुत अहम है। बीजेपी को सत्ता तक पहुंचने के लिए और सपा को अपनी सत्ता बचाने के लिए। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के लिए पांचवां फेज 'करो या मरो' जैसा है। जिन 51 सीटों पर मतदान हो रहा है, साल 2012 में उनमें से 37 सीटें सपा ने जीती थीं ।

सपा इस बार पांचवें चरण की सभी सीटों पर खुद नहीं लड़ रही बल्कि 14 पर गठबंधन की साथी कांग्रेस भी मैदान में है। चार सीटों पर

तो दोनों आमने-सामने भी हैं। ऐसे में एक-दूसरे से हार कर भी जीतना है। पांचवें दौर में सपा के अभय सिंह की किस्मत का फैसला होना है, जिनके खिलाफ 26 मुकदमे हैं और भ्रष्टाचार के आरोप से घिरे गायत्री प्रजापति भी जिन पर रेप का मुकदमा भी दर्ज हो गया है। न सिर्फ सपा या बसपा बल्कि बीजेपी को भी एहसास है कि अब सत्ता का रास्ता पूर्वांचल होकर ही गुज़रेगा।

निर्वाचन आयोग के अनुसार पांचवें चरण में बलरामपुर, गोण्डा, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीरनगर, अमेठी और सुल्तानपुर जिले की 51 विधानसभा सीटों के लिये दोपहर बाद चार बजे तक औसतन लगभग 52 फीसद वोट पड़े थे। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हुआ और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं मिली। सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की कतारें देखी गईं। पांचवें चरण में करीब 83 लाख 80 हजार महिलाओं समेत कुल एक करोड़ 81 लाख 71 हजार 826 मतदाता हैं और इनके लिए 12 हजार 555 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। इस चरण में 40 महिलाओं समेत कुल 607 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। अमेठी में सबसे अधिक 24 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। सबसे कम छह उम्मीदवार सिद्धार्थनगर की कपिलवस्तु और इटावा सीट पर हैं। अंबेडकरनगर के आलापुर में सपा प्रत्याशी चंद्रशेखर कनौजिया के निधन के कारण चुनाव आयोग ने यहां मतदान की तारीख 9 मार्च निर्धारित की है। इस चरण में 2351 मतदान केन्द्रों को संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने के लिये पर्याप्त संख्या में केन्द्रीय बल तथा पुलिस बल तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने के लिये 52 सामान्य पर्यवेक्षक, 13 व्यय पर्यवेक्षक तथा छह पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किये हैं।

उल्लेखनीय है कि 2012 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा ने आलापुर सहित कुल 52 सीटों में से 37 सीटें जीती थीं। भाजपा और कांग्रेस को पांच-पांच सीटें मिली थीं, जबकि बसपा को तीन और पीस पार्टी को दो सीटें हासिल हुई थीं।

श्रावस्ती, बलरामपुर, सुल्तानपुर और अंबेडकरनगर में सपा प्रत्याशियों ने हर सीट पर जीत दर्ज की थी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के मुताबिक, पांचवें चरण में 19 फीसदी उम्मीदवार आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। ऐसे उम्मीदवारों की संख्या बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में सबसे ज्यादा है। इस चरण में सर्वाधिक 43 करोड़ करोड़पति उम्मीदवार बसपा की ओर से हैं। भाजपा के 38, सपा के 32 और कांग्रेस के सात करोड़पति उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। अब यह देखना रोचक होगा कि परिणाम के बाद कौनसी पार्टी के उम्मीदवार जीत का सेहरा पहनने में कामीयाब होंगे।

ऑस्कर अवॉर्ड : 'मूनलाइट' की जगह 'ला ला लैंड' को बताया बेस्ट फिल्म ऑस्कर का विजेता

लॉस एंजिलिस

ऑस्कर समारोह में बेहद मजबूत दावेदार मानी जा रही फिल्म ला ला लैंड को पछाड़कर मूनलाइट ने बेस्ट पिक्चर का पुरस्कार जीत लिया। इससे पहले पुरस्कार की घोषणा में हैरान कर देने वाली गड़बड़ी सामने आई थी। ला ला लैंड को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी समेत कुल छह ट्रॉफियां मिली हैं लेकिन वॉरेन बीटी और फाय डनवे ने गलती से इसी फिल्म को बेस्ट पिक्चर भी घोषित कर दिया।

हालांकि विजेता भाषण के बीच संगीतमय फिल्म (ला ला लैंड) के निर्माताओं को पता चला कि कहीं कुछ गड़बड़ी है और तब जॉर्डन होरेविट्ज ने घोषणा की कि असल में यह पुरस्कार

मूनलाइट को जाता है। कई लोगों को उनकी इस बात पर विश्वास नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने यह साफ किया कि वह मजाक नहीं कर रहे। उन्होंने दर्शकों को वह कार्ड भी दिखाया जिस पर मूनलाइट लिखा हुआ था।

हैरान परेशान बीटी ने बाद में स्पष्टीकरण देते हुए कहा, मैं आपको बताता हूं कि दरअसल हुआ क्या था। मैंने लिफाफा खोला जिसमें एमा स्टोन, ला ला लैंड लिखा था। इसलिए मैंने फाय और आपकी ओर गहराई से देखा। मैं मजाक करने की कोशिश नहीं कर रहा था। होस्ट जिम्मी किम्मेल ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं पता क्या हुआ, लेकिन इसका दोष मैं खुद को देता हूं। उन्होंने कहा, याद रखिए यह महज एक अवॉर्ड शो है। मेरा मतलब है कि हमें लोगों को निराशा होते देखने से नफरत है लेकिन अच्छी बात यह है कि हमें कुछ और भाषण सुनने को मिलेंगे। फिल्म मूनलाइट तारेल अल्विन मेकक्रेनी के आत्मकथात्मक नाटक इन मूनलाइट ब्लैक बॉयज लुक ब्लू पर आधारित है। यह एक छोटे बजट की फिल्म है।

बीएमसी मेयर को लेकर भाजपा और शिवसेना में जारी है शीतयुद्ध

मुंबई

महाराष्ट्र और केंद्र में भाजपा के साथ सरकार चला रही शिवसेना ने अपनी सहयोगी पार्टी पर हमला करते हुए उसे कांग्रेस का संस्करण करार दिया है। पार्टी के मुखपत्र सामना ने सोमवार के संपादकीय में लिखा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि वे कांग्रेस से कभी समझौता नहीं करेंगे। लेकिन कांग्रेस और राकांपा के कई सदस्यों को भाजपा में शामिल कर उन्होंने पार्टी को कांग्रेस का संस्करण बना दिया है। शिवसेना ने कहा कि हम उन लोगों को सलाम करते हैं, जो साला मैं तो कांग्रेसवाला बन गया, की धुन पर नाच रहे हैं।

फडणवीस कह सकते हैं कि भाजपा कांग्रेस के साथ नहीं जाएगी, लेकिन कश्मीर में वह पाकिस्तान समर्थक महबूबा मुफ्ती के साथ सरकार बना सकती है। कांग्रेस संदिग्ध है, लेकिन अफजल गुरु की समर्थक महबूबा के साथ सत्ता साझा करना तो और खतरनाक है। शिवसेना ने कहा कि मुंबई के मेयर मुद्दे पर भाजपा नेताओं के बयान खाली बर्तन पीटने जैसा है।

सिमी आतंकी सफदर नागौरी सहित 11 लोगों को उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली

सफदर नागौरी सहित 11 सिमी आतंकियों को सीबीआइ कोर्ट ने देशद्रोह का दोषी पाते हुए सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। 10 आरोपी फिलहाल गुजरात की साबरमती जेल में हैं, जबकि एक को पूर्व में जमानत पर रिहा किया गया था। सोमवार को उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। प्रदेश में नागौरी को पहली बार किसी केस में सजा सुनाई गई है।

कोर्ट ने फैसले में कहा कि आतंकियों का संविधान में भरोसा नहीं है। ऐसे लोग देश की अखंडता और एकता के लिए खतरा हैं। उन्हें किसी तरह की रियायत नहीं दी जा सकती। जेल में बंद आतंकियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से फैसले की जानकारी दी गई। दोषियों में सफदर नागौरी (45) निवासी महिदपुर, हाफिज हुसैन (35) निवासी बीजापुर कर्नाटक, आमिल परवेज (40) निवासी उन्हेल जिला उज्जैन, शिवली पिता अब्दुल करीम (38) निवासी कोट्टम केरल, कमरद्दीन (42) निवासी उज्जैन, शादुली पिता अब्दुल करीम (32) निवासी कोट्टम केरल, कामरान हाजी शादिह (40) निवासी कहारवाडी खंडवा, अंसार (35) निवासी ऐरनाकुलम केरल, मुनरोज (40) निवासी बेलगाम कर्नाटक, अहमद बेग (32) निवासी बीदर कर्नाटक और यासीन (35) निवासी गुलबर्गा कर्नाटक हैं। आरोप सिद्ध

आतंकियों पर देशद्रोह, भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करने, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप और अवैध हथियार रखने का आरोप सिद्ध हुआ है। सोमवार को स्पेशल जज बीके पालोदा ने मुख्य आरोपी सफदर को चार अलग-अलग धाराओं में आजीवन कारावास सुनाया। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

26 मार्च 2008 को पुलिस को सूचना मिली थी कि पीथमपुर स्थित सिल्वर आर्क फैक्टरी के पास तालाब किनारे जंगल में प्रतिबंधित संगठन सिमी का प्रमुख सफदर नागौरी 12--13 साथियों के साथ मीटिंग करने वाला है। इसके बाद वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश दी, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। पता चला कि करीब शाम 7 बजे कुछ लोगों ने मिटिंग की थी। ये लोग सिमी संगठन से जुड़े थे और इंदौर की तरफ गए हैं। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

यूपी की वर्षों तक उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस, सपा और बसपा को सजा दें - मोदी

मउ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सपा और बसपा पर उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में खण्डित जनादेश लाने का खेल खेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि ये दोनों दल ऐसी स्थिति बनाने की फिराक में हैं, जिससे किसी को बहुमत ना मिले। मोदी ने यहां आयोजित चुनावी रैली में कहा कि प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले तीन चरणों में अपनी हार पक्की होती देख सपा और बसपा ने नया खेल शुरू किया है। हम हारें तो भले हारें, हमारी सीटें कम हों तो हो जाएं, लेकिन किसी को बहुमत नहीं मिलना चाहिये।

उन्होंने कहा मैं सपा और बसपा से कहना चाहता हूं कि आप भाजपा को हराने के लिये चाहे जो करें, मुझे कुछ दिक्कत नहीं, लेकिन उत्तर प्रदेश के भविष्य के साथ खिलवाड़ मत करिये। आप सोचते हैं कि त्रिशंकु विधानसभा बनेगी तो आप लोगों को सौदेबाजी करने का मौका मिलेगा। यूपी की जनता ने लोकसभा चुनाव में बता दिया है। यही यूपी इस चुनाव में भी भारी बहुमत से भाजपा को विजयी बनाएगा। प्रधानमंत्री ने दावा

किया कि पश्चिम से पूरब तक, सब लोगों ने मान लिया है कि अब उत्तर प्रदेश में भाजपा और उनके साथी दलों की सरकार बन जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को प्रदेश में अकेले ही पूर्ण बहुमत मिलेगा, मगर इसके बावजूद सभी सहयोगी छोटे दल भी सरकार का हिस्सा होंगे।

मोदी ने सपा-कांग्रेस गठबंधन पर भी हमला किया और कहा कि शुरू में अखबारों में फोटो छपने लगी तो हौसला बुलंद हो गया कि जोड़ी जम गयी। ऐसे नशे में आ गये कि सोचा कैमरा को मूर्ख बना लिया वैसे ही जनता को भी बना लेंगे, लेकिन जनता दूध का दूध और पानी का पानी करना जानती है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उसकी स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तरफ इशारा करते हुए कहा कि जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा, कुछ लोगों ने खुद को प्रचार से अलग कर लिया। मोदी ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने तमाम संसाधनों से सम्पन्न पूर्वांचल को पिछड़ा बनाए रखा। इसके लिये चुनाव में इन्हें सजा देने की जरूरत है। उन्होंने 11 जून 1962 को संसद में गाजीपुर के तत्कालीन सांसद विश्वनाथ गहमरी द्वारा पूर्वांचल की दुर्दशा बताते भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि हालात सुधारने के उपायों को लेकर गठित की गयी एच. एन. पटेल समिति की रिपोर्ट को 50 साल तक डिब्बे में रखा गया। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

अब कोई नहीं वसूल पाएगा ट्रेन में खाने-पीने के मनमाने दाम

नई दिल्ली

क्या ट्रेन में सफर करने के दौरान आप भी वेंडर द्वारा खाने-पीने की चीजों में ठगे जा चुके हैं। चीजों की सही कीमत का पता न होना इसकी बड़ी वजह है। ऐसे में अब यात्रियों को जागरूक करने के मकसद से सोमवार को आइआरसीटीसी ने एक ट्वीट के जरिए खाद्य सामग्री के आधिकारिक दाम की जानकारी दी है। इस ट्वीट में एक लीटर पानी की कीमत 15 रुपये है। इसके अलावा स्टैंडर्ड वेज ब्रेकफास्ट की कीमत 30 रुपये, वहीं नॉन-वेज ब्रेकफास्ट की कीमत 35 रुपये है। आइआरसीटीसी ने अपने ट्वीट में स्पष्ट किया है कि ये दाम सिर्फ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए हैं। राजधानी, शताब्दी और दूरंतो समेत अन्य लग्जरी ट्रेनों में खाद्य सामग्री की अलग दर तय की गई है। खाने के मेन्यू की पूरी जानकारी देते हुए बताया गया है कि ट्रेन में वेज थाली की कीमत 50, जबकि 55 रुपये में नॉन वेज खाना मिलेगा, जिसमें 250 मिली पानी की बोतल भी शामिल है।

रामजस कॉलेज विवाद पर वेंकैया नायडू ने कहा

देश में असहमति चल सकती है लेकिन विघटन को बढ़ावा मंजूर नहीं

नई दिल्ली

रामजस कॉलेज विवाद पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री वेंकैया नायडू ने सोमवार को कहा कि देश में असहमति चल सकती है, लेकिन विघटन को बढ़ावा मंजूर नहीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता कि आप प्रधानमंत्री को उनके नाम से बुला सकते हैं। यहां तक कि आप पीएम की तुलना गधे से कर लेते हैं। आपको इस देश में इस तरह की अभिव्यक्ति की आजादी मिली हुई है। नायडू ने कहा, एबीवीपी एक राष्ट्रवादी संगठन है। अन्य संगठनों के अपने विचार हैं और उन्हें

अपने विचार जाहिर करने दें। किसी बाहरी को विश्वविद्यालय की शांति भंग करने के लिए परिसर में क्यों जाना चाहिए? कोई जम्मू-कश्मीर के लिए आजादी के नारे कैसे लगा सकता है। आप विश्वविद्यालयों को अलगाववादियों का प्रयोगशाला बनने देना चाहते हैं? केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा, बहुमत की राय से अलग विचार रखना जायज है, लेकिन विघटन मंजूर नहीं। कोई भी विघटन को बढ़ावा नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कुछ गुमराह समूह देश के युवा वर्ग को गलत रास्ते पर ढकेलने, सामाजिक तनाव बढ़ाने और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले, केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली ने यूनिवर्सिटी परिसरों में हाल में हुई हिंसा के लिए एक उपद्रवकारी गठजोड़ को जिम्मेदार करार दिया और दलील दी कि अलगाववादी एवं वाम चरमपंथी कुछ संस्थानों में एक जैसी भाषा बोल रहे हैं। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

खुशहाली की राह बनेगी समस्याओं की सड़क

म्यांमार

भारत-म्यांमार सीमा पर बसे एक गांव मोरे में पहली बार भाजपा के झंडे लहरा रहे हैं। सीमा गेट से ठीक 200 मीटर पहले उम्मीदवार यांगलेट हावकिप का कार्यालय खुला है। यह वही रास्ता है, जिस पर करीब सवा सौ किलोमीटर पीछे भारत की ओर नगा संगठनों की नाकेबंदी के कारण आज भी ट्रकों की लंबी कतार लगी है, लेकिन म्यांमार की ओर बदस्तूर व्यापार चालू है, आवाजाही हो रही है।

एनएच-39 असम के नुमालीगढ़ को मणिपुर स्थित म्यांमार सीमा पर बसे गांव मोरे से जोड़नेवाला नेशनल हाईवे-39 अक्सर लगनेवाले ब्लॉकेड (नाकेबंदी) के लिए बदनाम है। कभी नगा तो कभी कुकी जनजातियां अपनी-अपनी मांगों को लेकर इस प्रकार के बंद आयोजित कर देती हैं, जो लंबे समय तक चलते हैं। हाल ही में सामने आए एक आंकड़े के अनुसार पिछले 15 वर्षों में

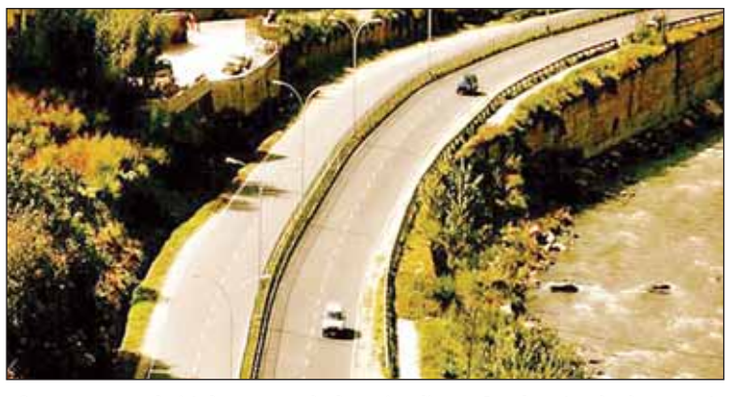

मणिपुर 600 बार नाकेबंदी से गुजर चुका है। ये नाकेबंदियां ज्यादातर एनएच-39 पर ही हुई हैं। सौ दिन से है लगातार बंद इस समय भी यह बंद लगातार सौवें दिन तक पहुंच रहा है। इसके कारण खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर पेट्रोल-डीजल-गैस और दवाइयों तक के दाम आसमान छू रहे हैं। इस हाईवे पर अलगाववादी संगठनों द्वारा की जानेवाली अवैध टैक्स वसूली भी वाहनों को इस रास्ते पर आने से भयभीत करती है।

म्यांमार, सिंगापुर व वेबैंकाक से जोड़ेगा हाईवे करीब 435 किलोमीटर का यह नेशनल हाइवे उस एशियन हाइवे-1 का एक भाग है, जो भारत को म्यांमार होते हुए बैंकाक और सिंगापुर से जोड़ेगा। केंद्र सरकार इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करना चाहती है। इसके अलावा सिलचर-जिरीबाम-इंफाल हाइवे भी शीघ्र पूरा करने का वादा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कर रखा है। यही दो रास्ते मणिपुरवासियों के लिए उम्मीद की किरण हैं। एएच-1 से रोजगार बढ़ने की उम्मीद सिलचर-जिरीबाम-इंफाल हाईवे उस नगालैंड से गुजरेगा ही नहीं, जहां वाहनों को नाकेबंदी का सामना करना पड़ता है। दूसरी ओर एशियन हाईवे -1 के निर्धारित मानदंडों के अनुसार बन जाने के बाद रोजगार की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाएंगी।

कुछ माह पहले ही म्यांमार के मांडले में आयोजित एक व्यावसायिक सम्मेलन में शामिल होकर लौटे प्रोफेसर सुरजीत लौरेम्बम कहते हैं कि एशियन हाईवे-1 बनने एवं इसका उपयोग पूरी तरह शुरू हो जाने के बाद पर्यटन से जुड़े सभी क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। ■ शेष पृष्ठ 2 पर